हिंगोनिया दर्शन

श्री कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट, जयपुर

SRI KRISHNA BALRAM SEVA TRUST

नगर निगम, जयपुर

16,500+ गौवंश

नमो ब्रह्मण्य-देवाय गौ-ब्राह्मण-हिताय च। जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः।।

द्विभाषी मासिक ई-पत्र | मार्च 2025

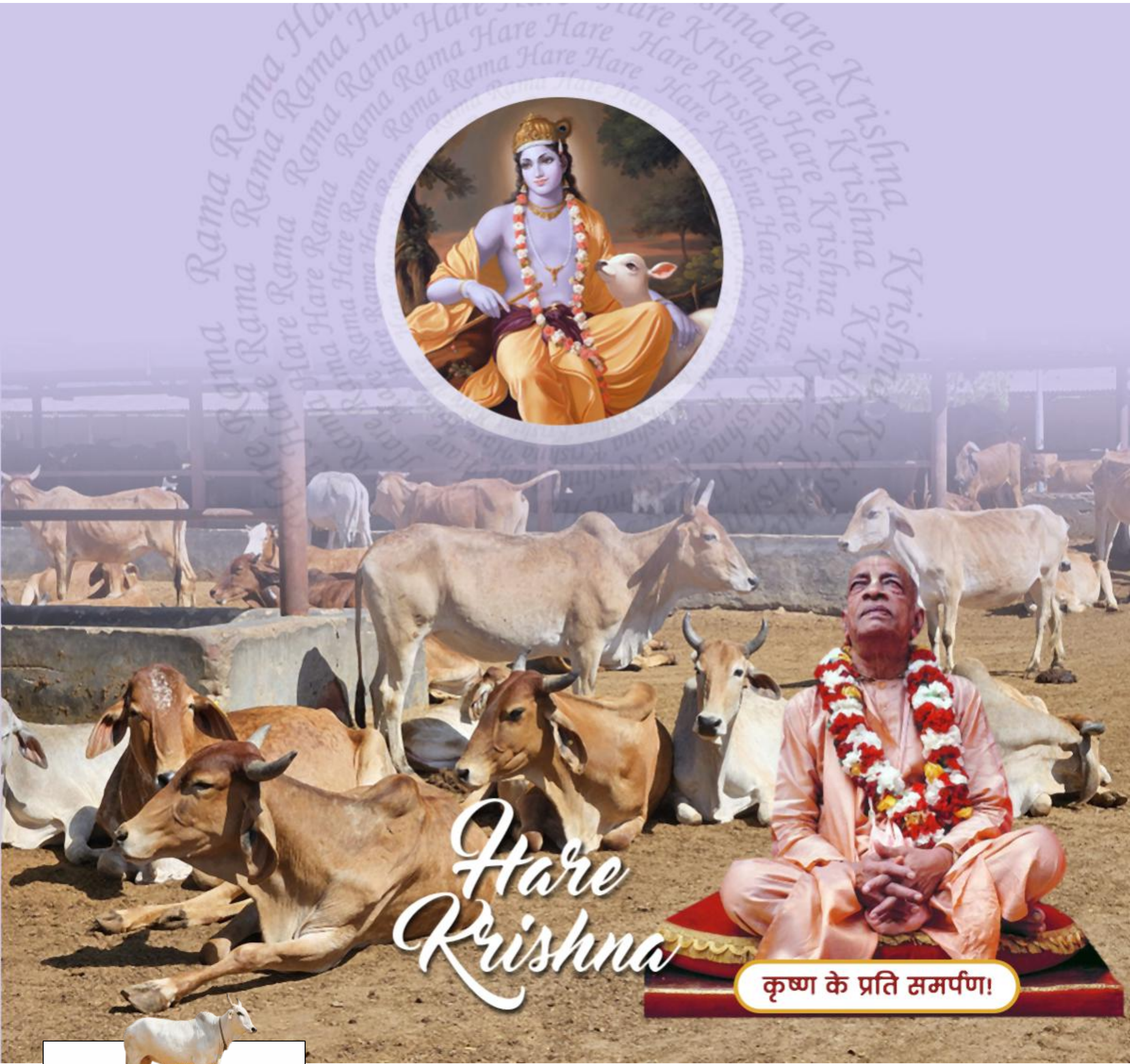

ALERT
Heat Waves
2025

श्रील प्रभुपाद, संस्थापक आचार्य विश्वव्यापी हरे कृष्णा मूवमेंट

श्री कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट, जयपुर

+91 91166 12180 hingonia_goshala hingonia.org

"गौ सेवा, गोपाल सेवा"

विषय सूची

विषय विवरण (पृष्ठ पर पहुँचने के लिए क्लिक करें) **प्रष्ठ संख्या**

1. दिया कुमारी जी (उप मुख्यमंत्री, राज. सरकार) गौशाला विजिट 4
2. श्री जोराराम कुमावत (केबिनेट मंत्री, देवस्थान) गौशाला विजिट 6
3. श्री अजीत कुमार ठाकुर (ED, IOCL) गौशाला विजिट 7
4. श्री मनोज गुप्ता (ED, IOCL) गौशाला विजिट 8
5. गौशाला में नवरात्री स्थापना 9
6. CUSTOMISED 3D GIFTING 10
7. कलश एवं जल संग्रहण यात्रा का आयोजन 11
8. अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस 12
9. Thanks to INA for CSR डोनेशन : सोलर प्लांट 13
10. Thanks to HG Foundation for CSR डोनेशन : 13,500 वृक्षारोपण 14
11. Thanks to IRCTS for CSR डोनेशन : पशु एम्बुलेंस 15
12. Thanks to GAYSON for CSR डोनेशन : Green Fodder 16
13. Thanks to RREC for CSR डोनेशन : 2 लोडर मशीन 17
14. Thanks to Rajseeds for CSR डोनेशन : TMR मशीन 18
15. BMCHRC द्वारा गौ सेवकों हेतु केंसर जाँच अभियान 19
16. मिशिन धड़कन : CPR ट्रेनिंग कैंप का आयोजन 20
17. भारतीय गायों की विभिन्न नस्लों की जानकारी 21
18. पेरेंट्स टीचर मीटिंग (PTM): गोपाल पाठशाला 22
19. गौ आधारित कृषि एवं गौ उत्पाद प्रदर्शनी 23
20. गौ सेवकों द्वारा सपरिवार गौसेवा 24
21. मीडिया न्यूज़ 25
22. Heat Waves 2025 26
23. Heat Waves - लघु सुझाव सूची (To-do Checklist) 27
24. हिंगोनिया गौशाला सोशल मीडिया पर 28
25. गौशाला कर्मचारी का जीवन अनुभव एवं गौमाता के प्रति आभार 29
26. गौसेवा तालिका, अकाउंट एवं QR कोड 30

दिया कुमारी जी (उप मुख्यमंत्री, राज. सरकार) गौशाला विजिट

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

इको-फ्रेंडली क्लब हाउस

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हिंगोनिया गौशाला का दौरा किया, प्राकृतिक आवास और इको-फ्रेंडली बांस क्लब हाउस का किया उद्घाटन!

दीया कुमारी जी, उपमुख्यमंत्री (राजस्थान) द्वारा हिंगोनिया गौशाला का दौरा कर वहाँ चल रही गौसेवा और विकास कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला में विकसित किए गए प्राकृतिक आवास (Natural Habitat) और इको-फ्रेंडली बांस क्लब हाउस (Eco-Friendly Bamboo Club House) का उद्घाटन किया। यह परियोजना पर्यटन के लिए प्राकृतिक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

हिंगोनिया गौशाला में निर्मित प्राकृतिक आवास (Natural Habitat) गौवंश के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिसमें प्राकृतिक वातावरण का ध्यान रखा गया है। इस आवास क्षेत्र में वृक्षारोपण, स्वच्छ जल स्रोत और खुले स्थानों की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे यहाँ आने वाले पर्यटकों को उनके प्राकृतिक परिवेश जैसा वातावरण मिल सके।

दीया कुमारी ने इस अवसर पर कहा, "गौमाता" हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इको-फ्रेंडली निर्माण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और यह पहल सतत विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित होगी। साथ ही माननीया ने गौवंश की पूजा कर उन्हें हरा चारा एवं गुड़ एवं छोटे बछड़ों को बोतल से दूध पिलाया!

दीया कुमारी जी ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पर्यटन एवं गौशालाओं के विकास और गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने मीडिया के माध्यम से प्रशासन और स्थानीय संगठनों से अपील की कि वे गौसेवा के लिए अधिक से अधिक योगदान दें।

गौशाला की महिला गोसेविकाओं ने दिया कुमारी जी के साथ फूलों की होली खेलकर उनका हृदय से स्वागत किया। इस अवसर पर चारों ओर रंग-बिरंगे फूलों की वर्षा हुई, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और आनंदमय हो गया। दिया कुमारी जी ने गोसेविकाओं के समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और कहा कि गौसेवा के इस पवित्र कार्य में महिलाओं की भूमिका अत्यंत प्रेरणादायक है। इस सुंदर आयोजन ने सभी के मन को छू लिया और एक आत्मीय और उत्सवपूर्ण माहौल का निर्माण हुआ।

अंत में माननीय दिया कुमारी जी ने एक नयी TMR (Total Mixed Ration) मशीन को हरी झंडी दिखाकर उसका उद्घाटन किया। यह आधुनिक मशीन गौमाताओं के लिए संतुलित आहार उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगी। इससे गौशाला में रह रही गायों के स्वास्थ्य में सुधार होगा और पोषण की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम के अंत में गौमाता की एक सुंदर मूर्ति, जो गौसेवा के प्रति सम्मान और आस्था का प्रतीक थी उपहार स्वरूप भेंट कर, दिया कुमारी जी का आत्मीय अतिथि सत्कार किया गया।

श्री जोराराम कुमावत (केबिनेट मंत्री, देवस्थान) गौशाला विजिट

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

पशु कल्याण जागरूकता माह

► श्री जोराराम कुमावत जी (कैबिनेट मंत्री, देवस्थान) द्वारा पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह के अंतर्गत गौशाला का भ्रमण किया गया।

श्री जोराराम कुमावत जी (कैबिनेट मंत्री, देवस्थान) द्वारा पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह के अंतर्गत गौशाला का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर मंत्री जी ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने गौवंशों को अपने हाथों से हरा चारा और गुड़ खिलाकर गौसेवा का पुण्य कार्य किया। तत्पश्चात, गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और गोसेवकों से संवाद कर उनकी सेवाओं की सराहना की। उन्होंने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित स्लोगन लेखन अभियान में भी सक्रिय रूप से भाग लिया और पशु कल्याण से जुड़े प्रेरणादायक संदेश लिखे।

साथ ही, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान देते हुए मंत्री जी ने गौशाला परिसर में वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं, और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। महिला दिवस के उपलक्ष्य में गौशाला की महिला गोसेविकाओं को सम्मानित करते हुए उन्हें उपहार वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि ये महिलाएं न केवल गोमाता की सेवा कर रही हैं, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी हैं। उपहार वितरण के इस भावपूर्ण क्षण ने सभी के चेहरों पर मुस्कान ला दी और कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया।

श्री अजीत कुमार ठाकुर (ED, IOCL) गौशाला विजिट

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

कच्चे गोबर से लेकर अंतिम उत्पाद

विजिट का उद्देश्य भविष्य में गोबर से वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं का दोहन करना तथा ऐसी परियोजनाओं को बड़े स्तर पर लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाना रहा।

श्री अजीत कुमार ठाकुर (कार्यकारी निदेशक, वैकल्पिक ऊर्जा – IOCL) ने गौशाला विजिट के दौरान अत्यंत श्रद्धा और स्नेह भाव से गोमाता की पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत उन्होंने गौवंशों को हरा चारा और गुड़ खिलाया, जिससे वातावरण में भक्ति और सेवा का भाव व्याप्त हो गया। उन्होंने छोटे बछड़ों को बोतल से दूध पिलाकर एक भावनात्मक और करुणामयी उदाहरण प्रस्तुत किया।

और साथ ही गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने गौशाला में चल रहे स्वच्छता, पोषण और गौवंश कल्याण से जुड़े कार्यों की सराहना की। श्री ठाकुर के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य गौशाला में गोबर से बायोगैस उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को समझना था – कच्चे गोबर से लेकर अंतिम उत्पाद (बायोगैस एवं स्लरी) तक की सम्पूर्ण श्रृंखला का अवलोकन करना था। इस तकनीकी विजिट के दौरान बायोगैस संयंत्र की कार्यप्रणाली, गोबर संग्रहण, प्रोसेसिंग, गैस निर्माण, और उसके उपयोग की प्रक्रिया को बारीकी से देखा और विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की।इस विजिट का उद्देश्य भविष्य में गोबर से वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं का दोहन करना तथा ऐसी परियोजनाओं को बड़े स्तर पर लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाना रहा।

श्री मनोज गुप्ता (ED, IOCL) गौशाला विजिट

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

बायोगैस प्लांट का भी अवलोकन

▶ श्री मनोज गुप्ता (कार्यकारी निदेशक, IOCL) ने हाल ही में गौशाला का दौरा किया, जो एक भावनात्मक, पर्यावरणीय और तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण यात्रा रही।

श्री मनोज गुप्ता (कार्यकारी निदेशक, IOCL) ने हाल ही में गौशाला का दौरा किया! अपने दौरे की शुरूआत में श्री गुप्ता ने श्रद्धा भाव से गोमाता की पूजा-अर्चना की। गौपूजन के बाद उन्होंने स्वयं अपने हाथों से गौवंशों को हरा चारा और गुड़ खिलाया। यह सेवा भाव उनके भीतर के संवेदनशील और सामाजिक सरोकारों को दर्शाता है।

इसके पश्चात श्री गुप्ता ने IOCL द्वारा स्थापित बायोगैस प्लांट का भी अवलोकन किया। उन्होंने गोबर से बायोगैस निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया – संग्रहण, अपघटन, गैस उत्पादन और स्लरी प्रबंधन – को विस्तार से समझा। इस दौरान उन्होंने बायोगैस के उपयोग और सतत ऊर्जा के क्षेत्र में इसकी भूमिका पर भी चर्चा की। विजिट के अंत में उन्होंने पर्यावरण सरंक्षण के संदेश के साथ IOCL परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा और पर्यावरण सेवा दोनों ही मानव कल्याण से सीधे जुड़ी हुई हैं और हमें इन्हें जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

गौशाला में नवरात्री स्थापना

हिंगोनिया गौशाला में नवरात्रि स्थापना के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं, गौसेवकों और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में विधि-विधान से घट स्थापना की गई। इस शुभ अवसर पर हिंगोनिया गौशाला में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा के आशीर्वाद के साथ-साथ गौमाताओं की सेवा का पुण्य भी प्राप्त किया। नवरात्रि के शुभ अवसर पर गौशाला में गौमाताओं की विशेष सेवा की गई। उन्हें पौष्टिक चारा, गुड़ एवं हरा चारा खिलाया गया। गौशाला में आए श्रद्धालुओं और गौसेवकों ने इस आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में विशेष योगदान दिया। सभी ने मिलकर गौमाता की सेवा का संकल्प लिया और गौसंरक्षण के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने की प्रतिज्ञा की।

राम नवमी पूजन:

आध्यात्मिक कार्यक्रम:

समर्पित श्रद्धालु और गौसेवक:

गौसेवा और भंडारा:

CUSTOMISED 3D GIFTING

**We are the Chat GPT of Concept Gifts!
Any Idea that you IMAGINE, we can convert it into Creative Souvenirs.**

- Product Based Gifting
- Sustainable Materials
- Advanced 3D Printing
- Truly Custom

VIP GIFTS

Reach out to us :

+91-6352686496 , +91-7665596191
info@fraxart.in

fraxart private limited
1F, 2F - G955A Phase III
Sitapura Industrial Area, Jaipur

fraxceptional

कलश एवं जल संग्रहण यात्रा का आयोजन

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

भूजल स्तर में सुधार

► कलश यात्रा एक जागरूकता अभियान के रूप में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्भरण के प्रति आमजन को जागरूक करना था।

इस कलश यात्रा में परंपरागत संस्कृति और पर्यावरणीय संदेश का अद्भुत समावेश देखने को मिला। यात्रा की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसमें जल कलश को प्रतीक रूप में धारण किया गया — जो जीवन, संरक्षण और पवित्रता का प्रतीक माना गया।

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

महिला गोसेवकों को उपहार

► उपहार स्वरूप संस्था द्वारा एक नई पहल! अब हर रविवार को महिला गोसेवकों के लिए धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गौशाला की महिला गोसेवकों को एक विशेष उपहार स्वरूप संस्था द्वारा एक नई पहल की शुरुआत की गई। इस पहल के अंतर्गत अब हर रविवार को महिला गोसेवकों के लिए धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। इस अभिनव प्रयास का उद्देश्य महिला गोसेवकों को न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करना है, बल्कि उनके समर्पण और सेवा के प्रति सम्मान प्रकट करना भी है। संस्था द्वारा यह उपहार महिला दिवस पर उनके प्रति कृतज्ञता और स्नेह का प्रतीक बनकर सामने आया। कार्यक्रम के दौरान महिला गोसेविकाओं ने इस पहल का हर्षपूर्वक स्वागत किया और कहा कि यह उनके लिए एक भावनात्मक और प्रेरणादायक अनुभव होगा।

नारी तुम श्रद्धा हो

नारी तुम शक्ति हो, नारी तुम प्यार हो,
संघर्ष की मुस्कान में, जीवन का सार हो।

हर रूप में तुम अनुपम हो, चाहे बेटी या माँ,
तुमसे ही तो सजी है, ये सारा जहाँ।

गौशाला की सेवा में, जब तुम हाथ बढ़ाती हो,
गौमाता के चरणों में, खुद को समर्पित पाती हो।

संवेदना की मूरत हो, सहनशीलता की कहानी,
तुमसे है हर सुबह रोशन, तुमसे है हर शाम सुहानी।

ना थकती हो, ना झुकती हो, तुम हो साहस की मिसाल,
नारी दिवस पर तुम्हें सलाम, तुम हो जग की ढाल।

चलो मनाएं इस दिन को, स्नेह, सम्मान और प्यार से,
महक उठे हर जीवन, नारी के इस उपकार से।

Thanks to INA for CSR डोनेशन : सोलर प्लांट

INA SOLAR
TOGETHER WE SHINE
ASSOCIATE

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

CSR Support : सौर ऊर्जा सयंत्र

INA का आभार: सीएसआर डोनेशन के तहत हिंगोनिया गौशाला में सोलर प्लांट स्थापना हेतु धन्यवाद! यह ऊर्जा व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है।

हिंगोनिया गौशाला में सतत विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, INA (Indian National Association) द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के अंतर्गत सोलर प्लांट की स्थापना की गई है।

INA के इस योगदान से गौशाला की ऊर्जा आवश्यकताओं को स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा स्रोत से पूरा किया जा सकेगा। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में न सिर्फ एक सराहनीय प्रयास है, बल्कि गौवंश की सेवा में भी एक स्थायी समाधान की ओर इशारा करती है। गौशाला परिवार INA के इस सहयोग हेतु उनका हृदय से आभार व्यक्त करता है और आशा करता है कि अन्य संस्थान भी इसी प्रकार सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए जनहित में सहयोग प्रदान करेंगे।

Thanks to HG Foundation for CSR डोनेशन : 13,500 वृक्षारोपण

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

CSR Support : 13,500 वृक्ष

► हिंगोनिया गौशाला में हरित वातावरण को बढ़ावा देने एवं पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से Miyawaki तकनीक से कुल 13,500 पौधों का वृक्षारोपण!

हिंगोनिया गौशाला में हरित वातावरण को बढ़ावा देने एवं पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से HG Infra द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के अंतर्गत एक सराहनीय पहल की गई है। संस्था द्वारा Miyawaki तकनीक से कुल 13,500 पौधों का वृक्षारोपण किया गया, जो आने वाले वर्षों में एक सघन और समृद्ध शहरी वन का रूप लेगा।

Miyawaki तकनीक एक जापानी विधि है, जिसके माध्यम से कम समय में अधिक घना और प्राकृतिक जैव विविधता से भरपूर वन तैयार किया जा सकता है। इस तकनीक से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि गौशाला में शीतलता, छाया और स्वच्छ हवा की उपलब्धता भी बढ़ेगी। यह कार्य ईको-फ्रेंडली बांस क्लब हाउस को और अधिक आकर्षक एवं प्राकृतिक वातावरण से परिपूर्ण बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा। वृक्षारोपण से क्लब हाउस परिसर में शीतलता, छाया, एवं एक शांतिपूर्ण वातावरण निर्मित होगा, जो आगंतुकों के लिए एक विशेष अनुभव प्रदान करेगा।

गौशाला परिवार HG Foundation के इस मूल्यवान योगदान हेतु उनका हृदय से आभार व्यक्त करता है और आशा करता है कि भविष्य में भी ऐसे सहयोग निरंतर मिलते रहेंगे। आपका सहयोग केवल एक CSR योगदान नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा संदेश है। समाज और पर्यावरण के प्रति आपकी यह संवेदनशीलता प्रेरणादायक है।

Thanks to IRCTS for CSR डोनेशन : पशु एम्बुलेंस

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

CSR Support : पशु एम्बुलेंस

▶ पशु कल्याण के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए IRCTS (Indian Railway) द्वारा CSR डोनेशन के अंतर्गत गौशाला को एक पशु एम्बुलेंस प्रदान की गई है।

यह एम्बुलेंस घायल, बीमार या ज़रूरतमंद गौवंश की त्वरित चिकित्सा सहायता हेतु एक अत्यंत उपयोगी संसाधन सिद्ध होगी। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह वाहन आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर उपचार सुनिश्चित करने में सहायक रहेगा। यह योगदान न केवल पशु सेवा के प्रति संस्था की संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि समाज में करूणा और उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रबल करता है।

हिंगोनिया गौशाला परिवार IRCTS का हृदय से आभार प्रकट करता है और उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करता है। यह पहल गौसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जिससे अन्य संस्थाएँ भी प्रेरित होंगी। गौमाता के प्रति आपकी यह संवेदनशीलता प्रेरणादायक है।

एम्बुलेंस की उपयोगिता व विशेषताएँ:

- पशुओं हेतु आपातकालीन सहायता
- प्राथमिक चिकित्सा सहित सुविधाएँ
- आरामदायक आधुनिक एवं सुरक्षित
- स्वत: संचालन प्रणाली

Thanks to GAYSON for CSR डोनेशन : Green Fodder

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

CSR Support : बाँट एवं हरा चारा

▶ **GAYSON का आभार: CSR डोनेशन के अंतर्गत बाँट एवं हरा चारा उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद! यह योगदान गौसेवा सेवा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण है!**

हिंगोनिया गौशाला में निवासरत गौवंश के पोषण एवं स्वास्थ्य के लिए GAYSON द्वारा CSR डोनेशन के अंतर्गत बाँट एवं हरा चारा (Green Fodder) की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यह योगदान गौवंश के सतत पोषण, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, एवं समग्र स्वास्थ्य सुधार में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहा है।

हरित चारा न केवल गौवंश के लिए पोषण से भरपूर आहार है, बल्कि यह उनके संपूर्ण स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राकृतिक एवं ताजे चारे के नियमित सेवन से गौवंश स्वस्थ रहते हैं और बीमारियों की संभावना भी न्यूनतम होती है।

GAYSON का यह योगदान पशु सेवा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण है, जिससे न केवल हिंगोनिया गौशाला को लाभ मिला है, बल्कि यह समाज में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सशक्त करता है।

गौशाला परिवार GAYSON का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता है और आशा करता है कि यह सहयोग भविष्य में भी इसी प्रकार जारी रहेगा।

Thanks to RREC for CSR डोनेशन : 2 लोडर मशीन

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

CSR Support : 2 लोडर मशीनें

▶ गौशाला में स्वच्छता, चारा प्रबंधन एवं दैनिक संचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में RREC (Rajasthan Renewable Energy Corporation) द्वारा CSR डोनेशन!

हिंगोनिया गौशाला में स्वच्छता, चारा प्रबंधन एवं दैनिक संचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में RREC (Rajasthan Renewable Energy Corporation) द्वारा CSR डोनेशन के अंतर्गत 2 लोडर मशीनें प्रदान की गई हैं। इन लोडर मशीनों के माध्यम से गौशाला परिसर में चारा ढोने, गोबर प्रबंधन एवं अन्य भारी सामग्री के परिवहन का कार्य अब पहले से कहीं अधिक सुगम और कुशलता से संपन्न हो रहा है। इससे न केवल कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है, बल्कि श्रमिकों के श्रम में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

RREC का यह सहयोग गौशाला की संचालन प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।गौशाला परिवार RREC के इस सराहनीय योगदान हेतु उनका हृदय से आभार व्यक्त करता है और भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की आशा करता है।

Thanks to Rajseeds for CSR डोनेशन : TMR मशीन

Rajasthan State Seeds Corporation Limited

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

CSR Support : TMR मशीन

► हिंगोनिया गौशाला में गौवंश के समुचित पोषण और संतुलित आहार वितरण को सशक्त बनाने हेतु Rajseeds द्वारा एक आधुनिक TMR मशीन CSR डोनेशन की गई है।

हिंगोनिया गौशाला में गौवंश के समुचित पोषण और संतुलित आहार वितरण को सशक्त बनाने हेतु राजस्थान राज्य बीज निगम लिमिटेड (Rajasthan State Seeds Corporation Limited) द्वारा CSR डोनेशन के अंतर्गत एक आधुनिक TMR (Total Mixed Ration) मशीन प्रदान की गई है।

यह मशीन चारा, दाना और पोषक तत्वों को संतुलित मात्रा में मिलाकर एकसमान मिश्रण तैयार करती है, जिससे हर पशु को सम्पूर्ण और पोषणयुक्त आहार मिल सके। इससे न केवल पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि गौवंशों के स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

TMR मशीन की उपयोगिता व विशेषताएँ:

- संतुलित आहार का वितरण
- पोषक तत्वों का वैज्ञानिक मिश्रण
- आहार की बर्बादी में कमी
- श्रम की बचत व संचालन में कुशलता

BMCHRC द्वारा गौ सेवकों हेतु कैंसर जाँच अभियान

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

निःशुल्क कैंसर जाँच अभियान

► हिंगोनिया गौशाला में कार्य कर रहे गौ सेवकों के स्वास्थ्य की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए BMCHRC द्वारा निःशुल्क कैंसर जाँच अभियान का आयोजन किया गया।

भगवान महावीर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (BMCHRC), केजी कोठारी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा संचालित एक धर्मार्थ संगठन है। इस संस्थान की स्थापना 1997 में कैंसर रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करने के मिशन के साथ की गई थी। इसका लक्ष्य किफायती कीमत पर अत्याधुनिक देखभाल प्रदान करना है। इस स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत गौशाला में कार्यरत कर्मचारियों एवं सेवकों की कैंसर से संबंधित प्रारंभिक जांचें की गईं, जिनमें ओरल कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर आदि की स्क्रीनिंग शामिल रही। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मौके पर उपस्थित रहकर न केवल जाँच की, बल्कि आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया।

अभियान की प्रमुख विशेषताएँ:

- मौखिक, स्त्री रोग व सामान्य कैंसर की प्रारंभिक स्क्रीनिंग
- वरिष्ठ डॉक्टरों की निगरानी में निःशुल्क परामर्श
- आवश्यकतानुसार आगे की जाँच व उपचार हेतु रेफरल सुविधा
- गौ सेवकों की स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि
- प्रारंभिक पहचान से बचाव में मदद

BMCHRC का यह प्रयास न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह गौ सेवा में जुटे कर्मियों के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का प्रतीक भी है। गौशाला परिवार BMCHRC का हृदय से आभार प्रकट करता है और उनके इस मानवीय योगदान के लिए धन्यवाद देता है। ऐसे सेवाभावी प्रयास समाज को स्वस्थ, जागरूक और संगठित दिशा में अग्रसर करते हैं।

मिशन धड़कन : CPR ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

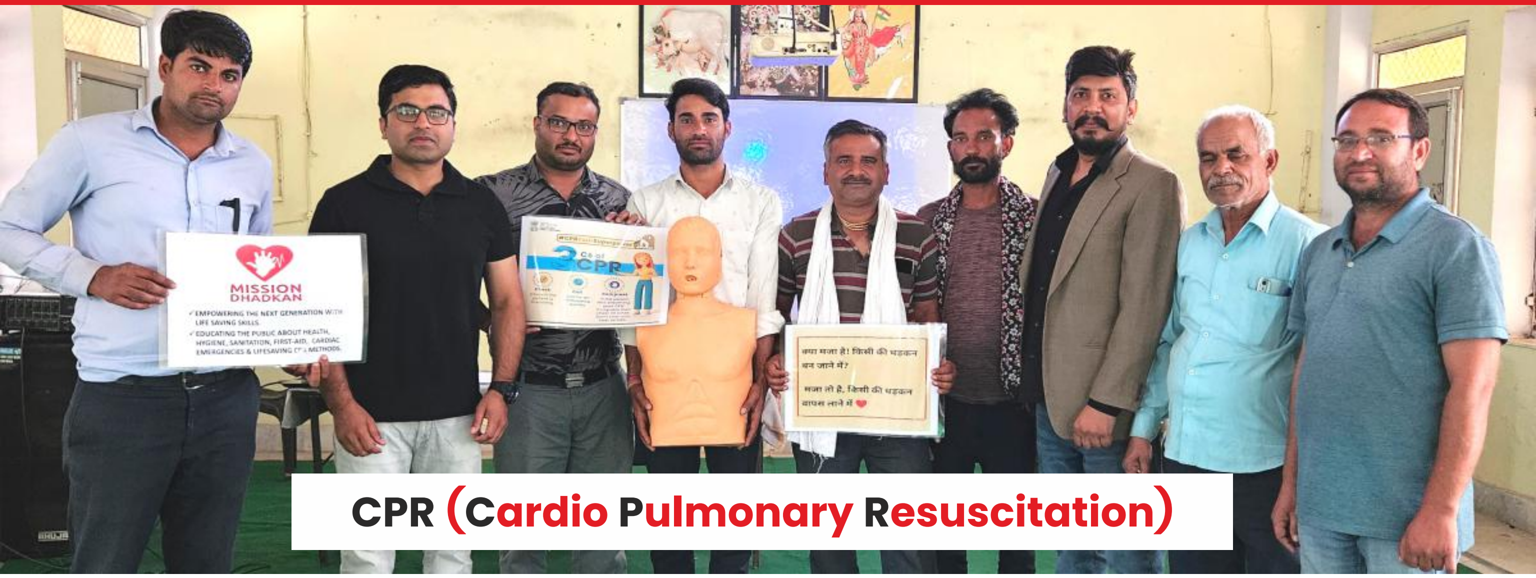

CPR (Cardio Pulmonary Resuscitation)

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

○ संजीवनी है सीपीआर.............❤

▶ आपातकालीन सहायता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से "मिशन धड़कन" के अंतर्गत एक CPR प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा गौशाला के कर्मचारियों, सेवकों एवं संबंधित अधिकारियों को आपात स्थिति में जीवन रक्षण हेतु आवश्यक CPR तकनीक सिखाई गई। यह तकनीक विशेष रूप से तब उपयोगी होती है जब किसी व्यक्ति की हृदय गति या सांस अचानक रुक जाती है।

कैंप की प्रमुख विशेषताएँ:

- ❤ हृदयाघात जैसी आपात स्थितियों में CPR देने की विधि का अभ्यास
- ❤ हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग – डमी मॉडल पर वास्तविक अभ्यास
- ❤ आपातकालीन समय में घबराहट से बचने व त्वरित प्रतिक्रिया देने की ट्रेनिंग
- ❤ प्रशिक्षकों द्वारा वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ समझाया गया
- ❤ गोल्डन मिनट = जीवन का अवसर

इस प्रशिक्षण से जुड़े सभी प्रतिभागियों में आपात स्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता प्रदान करने का आत्मविश्वास जागृत हुआ है। यह शिविर न केवल जीवन रक्षण की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, बल्कि यह समाज में "हर हाथ जीवनदाता" की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। गौशाला परिवार "मिशन धड़कन" टीम का हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिनके सहयोग से यह अत्यंत उपयोगी एवं जीवनोपयोगी अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

"मिशन धड़कन" टीम का हार्दिक आभार!

डॉ• सौरभ जैन
फाउंडर मिशन धड़कन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राज. सरकार

डॉ• राकेश गुर्जर
कोफाउंडर, मिशन धड़कन, चिकित्सा अधिकारी
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राज. सरकार

भारतीय गायों की विभिन्न नस्लों की जानकारी

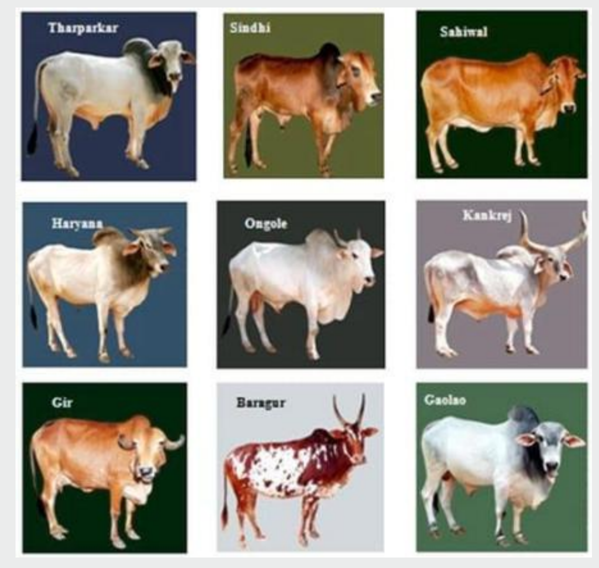

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

भारतीय गायों की प्रमुख नस्लें

यहाँ भारतीय गायों की प्रमुख नस्लों की पूर्ण जानकारी दी जा रही है – जिसमें उनके क्षेत्र, विशेषताएँ, दूध उत्पादन और उपयोगिता शामिल हैं!

1. गिर (Gir)
क्षेत्र: गुजरात (सौराष्ट्र क्षेत्र), महाराष्ट्र रंग: सफेद से हल्के भूरे या चित्तीदार लाल विशेषता: अत्यंत शांत स्वभाव, ऊँचे कान
दूध उत्पादन: 10–15 लीटर प्रतिदिन उपयोग: प्रमुख दुग्ध उत्पादक नस्ल, गिर गाय का दूध औषधीय गुणों से भरपूर होता है।

2. साहीवाल (Sahiwal)
क्षेत्र: पंजाब, हरियाणा, पाकिस्तान का साहीवाल जिला रंग: गहरा भूरा से लाल रंग का विशेषता: ऊष्मा और रोग प्रतिरोधक क्षमता उच्च
दूध उत्पादन: 8–12 लीटर प्रतिदिन उपयोग: डेयरी के लिए उत्तम, मशीन से दूध दोहन में सहयोगी

3. थारपारकर (Tharparkar)
क्षेत्र: राजस्थान (थार रेगिस्तान क्षेत्र) रंग: सफेद से हल्का भूरा विशेषता: सूखा व गर्म क्षेत्र में भी उत्पादन
दूध उत्पादन: 8–10 लीटर प्रतिदिन उपयोग: दुग्ध और कृषि कार्य दोनों में उपयोगी

4. कंकरेज (Kankrej)
क्षेत्र: गुजरात, राजस्थान का सीमावर्ती क्षेत्र रंग: सिल्वर ग्रे से लोहे जैसा रंग विशेषता: मजबूत शरीर, कृषि कार्य के लिए श्रेष्ठ
दूध उत्पादन: 7–10 लीटर प्रतिदिन उपयोग: खेती और गाड़ी खींचने के लिए सर्वोत्तम

5. हरियाणा (Haryana)
क्षेत्र: हरियाणा, उत्तर प्रदेशरंग: सफेद या भूरा, काले धब्बों के साथ विशेषता: मजबूत बैल कृषि कार्यों में उपयोगी
दूध उत्पादन: 5–8 लीटर प्रतिदिन

6. नागौरी (Nagori)
क्षेत्र: राजस्थान (नागौर जिला)रंग: दूधिया सफेद विशेषता: तेज चलने वाली बैल नस्ल उपयोग: कृषि और परिवहन कार्य में उत्कृष्ट

7. रेड सिंधी (Red Sindhi)
क्षेत्र: पाकिस्तान (सिंध), भारत के दक्षिणी राज्य रंग: गहरा लाल से भूरा विशेषता: गर्मी सहनशील और दूध देने में सक्षम
दूध उत्पादन: 6–10 लीटर प्रतिदिन

8. ओंगोल (Ongole)
क्षेत्र: आंध्र प्रदेश रंग: सफेद, बड़ी काया विशेषता: मांसलता और बलशाली बैल उपयोग: कृषि और नस्ल सुधार में उपयोगी

9. हल्लीकर (Hallikar)
क्षेत्र: कर्नाटक रंग: ग्रे से गहरा स्लेटी विशेषता: दक्ष कृषि बैलदूध उत्पादन: कम (2–4 लीटर) लेकिन गुणवत्ता उच्च

10. अमृतमहल (Amritmahal)
क्षेत्र: कर्नाटक रंग: ग्रे रंग का विशेषता: तेज गति से चलने वाला बैल उपयोग: युद्ध और कृषि दोनों में ऐतिहासिक उपयोग

11. पोंवार (Ponwar)
क्षेत्र: उत्तर प्रदेश (पीलीभीत) रंग: काला-सफेद चित्तीदार विशेषता: सजग और सतर्क स्वभाव

पेरेंट्स टीचर मीटिंग (PTM): गोपाल पाठशाला

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

- शिक्षा और व्यवहार पर चर्चा

► बच्चों की शिक्षा और व्यवहार पर चर्चा – अध्यापकों ने अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई और सीखने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

PTM के मुख्य बिंदु:

शिक्षा में सहयोग सुनिश्चित करना:
गौसेवकों के बच्चों की पढ़ाई, स्कूल उपस्थिति और शिक्षा स्तर पर चर्चा करना ताकि उन्हें बेहतर भविष्य मिल सके।

अभिभावकों को प्रोत्साहित करना:
गोसेवकों को यह समझाना कि बच्चों की शिक्षा में उनकी भूमिका कितनी अहम है और कैसे वे बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

कौशल विकास पर बल:
बड़े बच्चों के लिए स्किल डेवेलपमेंट (जैसे कंप्यूटर, सिलाई, कला, खेल आदि) की योजनाएँ बनाना।

गौ आधारित कृषि एवं गौ उत्पाद प्रदर्शनी

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

गौ आधारित उत्पादों का प्रदर्शन

► आत्मनिर्भरता और गौ कल्याण की दिशा में एक पहल!

जयपुर में आयोजित "गौ आधारित कृषि एवं गौ उत्पाद प्रदर्शनी" में श्री कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने द्वारा विकसित किए गए गौ-आधारित उत्पादों एवं जैविक कृषि पद्धतियों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में आने वाले हजारों आगंतुकों ने ट्रस्ट के स्टॉल पर रुककर गहन जानकारी ली। कई किसानों ने जैविक खेती अपनाने का संकल्प लिया और गौ आधारित उत्पादों की खरीदी भी की।

प्रदर्शनी में यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि यह सभी गौ उत्पाद न केवल एक प्राकृतिक और पर्यावरण मित्र विकल्प हैं, बल्कि ग्राम्य अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाले साधन भी हैं। इनके माध्यम से ग्रामीण महिलाएँ और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनते हैं।इन उत्पादों की बिक्री से प्राप्त धनराशि को ट्रस्ट द्वारा गौ माता की देखभाल, चारे की व्यवस्था, बीमार गायों के उपचार, और गौशाला के संचालन में लगाया जाता है, जिससे यह संपूर्ण प्रक्रिया गौ कल्याण के एक सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करती है।

प्रदर्शनी आयोजकों द्वारा श्री कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

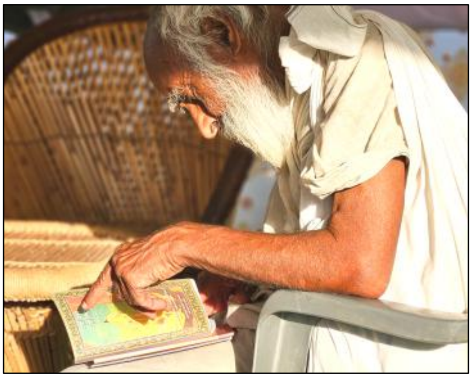

गौ सेवकों द्वारा सपरिवार गौसेवा

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

100 किलो सब्जियां प्रतिदिन

गौशाला में प्रतिदिन गौसेवकों द्वारा हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे – चकुंदर पत्ता, गोभी, और फूल गोभी गौवंशों को खिलाई जाती हैं। ये उनके स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभकारी होती हैं।

गौशाला में प्रतिदिन 100 किलो हरी सब्जियाँ गायों के लिए लाई जा रही हैं, जो उनकी सेहत और पोषण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह कदम गायों को स्वस्थ और तंदुरुस्त बनाए रखने के लिए उठाया गया है, खासकर उन गायों के लिए जो बीमार हैं या जिन्हें विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। हरी सब्जियां गौमाता के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं क्योंकि इनमें विटामिन, खनिज, फाइबर और पानी की पर्याप्त मात्रा होती है, जो उनके स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करती हैं!

चकुंदर पत्ता : चकुंदर के पत्ते में विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो गौवंशों की पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं और उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा, इन सब्जियों से उनका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है, जो उन्हें बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

गोभी और फूल गोभी : ये हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन C, फाइबर और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती हैं। यह गौवंशों को ऊर्जा और पोषण प्रदान करती हैं और उनके इम्यून सिस्टम को मजबूत करती हैं।

मीडिया अलर्ट :

◯ 2025 – अब तक का सबसे गर्म वर्ष बनने की आशंका

Protect them from
HEAT WAVES

दैनिक भास्कर जयपुर 28-03-2025

दैनिक भास्कर | जयपुर

8 से 17 हजार हुए गोवंश, बाड़े भी 23 से 63, लेकिन 7 साल में एक बार बढ़ाई चारे की दर

1 साल में 25% गोवंश अनुदान बढ़ाया, फिर भी 3 साल से निगम ने हिंगोनिया गोशाला में नहीं बढ़ाया

लता खण्डेलवाल | जयपुर

राज्य सरकार ने बजट में चारा अनुदान 15 प्रतिशत बढ़ा दिया है, जो 44 से 50 रुपए प्रति गोवंश प्रतिदिन कर दिया। यह एक वित्तीय वर्ष में दूसरी बार बढ़ा है। इससे पूर्व अक्टूबर 2024 में इसे 10 प्रतिशत बढ़ाकर 40 से 44 रुपए किया था, लेकिन शहरी सरकार के दोनों ही निगमों ने गो पुनर्वास केंद्र हिंगोनिया का पिछले 3 साल से अनुदान नहीं बढ़ाया है। इससे गोवंश को पर्याप्त और पौष्टिक आहार व चारा नहीं मिल पा रहा है। श्रीकृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट अनुदान बढ़ाने के लिए दोनों निगमों को कई बार पत्र लिख चुका है। उधर, चारे का अनुदान बढ़ाने के लिए गठित की हुई कमेटी की पिछले एक साल एक भी बैठक नहीं हुई। जबकि साल में तीन बैठकें होना अनिवार्य है। 6 दिसंबर 2024 को कमेटी की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन कोरम ही पूरा नहीं हुआ।

नगर निगम से 19 साल के लिए अनुबंध पर गो पुनर्वास केंद्र

हिंगोनिया का संचालन कर रहे श्रीकृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट को दोनों निगम ग्रेटर और हेरिटेज ने पिछले दो महीने का करीब 5 करोड़ रु. का भुगतान नहीं किया है। इसके साथ ही निगम ने पिछले सात साल में चारे की दर भी सिर्फ एक ही बार बढ़ाई है। जबकि अनुबंध के मुताबिक अब तक 14 बार यानी हर छह महीने में चारे की दर बढ़नी थी। ऐसे में पैसे की कमी के चलते ट्रस्ट गोवंश को भरपेट चारा और पौष्टिक पशु आहार नहीं खिला पा रहा है। निगम और ट्रस्ट के बीच अप्रैल 2017 में गो पुनर्वास केंद्र हिंगोनिया के संचालन का अनुबंध हुआ था। तब यहां गोवंश 8000 और उनके बाड़े 23 थे। इन सात सालों में गोवंश दोगुने से ज्यादा 17000 हो गया है। बाड़े भी 63 हो गए हैं। ट्रस्ट के कार्यक्रम समन्वयक रघुपति दास का कहना है कि अनुबंध में बड़े प्रति पशु दर 50.22 और छोटे प्रति पशु दर 32.70 रु. दर तय की गई थी। साथ ही एक कमेटी भी बनाई गई जो हर छह माह में बाजार दर के अनुसार चारे और पशु आहार की दरों का परीक्षण करके दरों में बढ़ोतरी करेगी। लेकिन इन सात वर्षों में नगर निगम ने सिर्फ एक बार जनवरी 2022 में ही चारे की दरों में बढ़ोतरी की है। जबकि अब तक 14 बार चारे की दरें बढ़ाई जानी थीं। फिलहाल, 57.43 रु. बड़े गोवंश का और छोटे गोवंश का 36.88 रु. प्रति गोवंश प्रतिदिन के हिसाब से अनुदान दिया जा रहा है।

2017 में चारे की दर
- 5 रु. प्रति किलो चारा
- 15 रु. प्रति किलो पशु आहार

2022 में दर
- 6.22 रु. प्रति किलो चारा
- 16.30 प्रति किलो पशु आहार

जबकि राज्य सरकार की सरस और राजफेड की ओर से उपलब्ध कराए।

अन्य निगमों से निगम की चारे की सबसे कम दर

अजमेर नगर निगम	9.40 रु.
उदयपुर नगर निगम	8.50 रु.
कोटा नगर निगम साउथ	8.10 रु.
जयपुर नगर निगम	6.22 रु.

ट्रस्ट का कहना है कि राज्य सरकार ने बजट घोषणा 2024-25 में प्रदेश में गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से पंजीकृत गोशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत वृद्धि की। जिस तरह गोपालन विभाग से निगम को अनुदान राशि में बढ़ोतरी हुई है।

क्लाइमेट चेंज और एलनीनो इफेक्ट से अप्रैल में ही हीटवेव की दस्तक

2025 बन सकता है अब तक का सबसे गर्म साल

मंडे पॉजिटिव • गोशाला चलाने के कारण मरीजों में गायों वाले डॉक्टर साहब के नाम से प्रसिद्ध हैं डॉ. अशोक शर्मा

बड़गांव सेटेलाइट अस्पताल में गूंजते हैं कृष्ण के भजन, गौ भक्त डॉक्टर से इलाज कराने के लिए प्रतिदिन लगती हैं मरीजों की लंबी लाइन

सुनील शर्मा | उदयपुर

शहर से 5 किमी दूर बड़गांव सेटेलाइट अस्पताल में आपको मरीज और डॉक्टर के परे अलग नजारा दिखाई देगा। अस्पताल में लगे अनाउंसमेंट माइक पर भगवान कृष्ण के भजन सुनाई देते हैं। अस्पताल प्रभारी डॉ. अशोक शर्मा के चैंबर के बाहर मरीजों की लंबी लाइन बाहर चौक तक लगी रहती है। ऐसा नजारा विशेष एक दिन नहीं बल्कि साल के 365 दिन रहता है। डॉ. अशोक शर्मा गौ भक्त हैं और वृंदावन की तर्ज पर उदयपुर के भक्तिधार में रसमरेती गोशाला चलाते हैं। अस्पताल प्रभारी होने से अनाउंसमेंट माइक चैंबर में ही लगा हुआ है। लेकिन इस माइक पर केवल अनाउंसमेंट नहीं होते बल्कि पूरे आउटडोर समय में भगवान कृष्ण के भजन गुंजायमान रहते हैं। प्रैक्टिस टेबल पर भी गाय और भगवान कृष्ण की प्रतिमाएं सजी हुई हैं। अस्पताल में 7 डॉक्टर हैं, लेकिन सर्वाधिक मरीजों की कतार सिर्फ डॉ. अशोक शर्मा के चैंबर के बाहर ही लगती है। डॉ. शर्मा का दो-तीन बार ट्रांसफर भी हुआ, लेकिन लोगों के विरोध के बाद स्थानांतरण निरस्त किया गया।

आउटडोर बढ़ने से ही सीएचसी को सेटेलाइट में किया क्रमोन्नत

- बड़गांव में पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र था। यहां आउटडोर में मरीजों की संख्या बढ़ने से ही इसे सेटेलाइट अस्पताल में क्रमोन्नत किया गया। 2024 में जनवरी से दिसंबर तक आउटडोर मरीजों की संख्या एक लाख 40 हजार रही। इनमें से 70 फीसदी मरीज डॉ. अशोक शर्मा ने देखे।
- गोगुंदा-सायरा से भी मरीज इलाज कराने आते हैं। मरीजों का कहना है कि उन्हें बीमारी में गाय वाले डॉक्टर साहब से ही फर्क पड़ता है। इसलिए लंबी लाइन में इंतजार करना भी बुरा नहीं लगता। लाइन में भजन सुनते हैं तो बीपी भी कम हो जाता है।

रिकॉर्ड: 1 घंटे में 18 हजार 358 किग्रा वजन उठाया

वॉशिंगटन | अमेरिका के पॉल विलियमस्टाउन ने एक घंटे में 18 हजार 358 किलोग्राम का वजन उठाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। पॉल ने 11.34 किलोग्राम डम्बल के साथ बारी-बारी से बाइसेप आर्म कर्ल के 1,550 से सेट पूरे किए।

स्की वर्ल्ड कप: पुरुष विजेता को तीन लाख, महिला को मिले तौलिए व शैम्पू

बर्लिन | जर्मनी में हुए स्की वर्ल्ड कप के क्वालिफाइंग राउंड इवेंट में पुरुष विजेता को करीब 3 लाख रु. इनाम दिया गया, जबकि महिला विजेता जर्मनी की सेलिना प्रेडगाग को सिर्फ शावर जेल, शैम्पू, चार तौलिए दिए गए। प्रेडगाग ने खेलों में पुरुषों को तरजीह दिए जाने और महिलाओं के साथ भेदभाव को लेकर यह जानकारी दी। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट 30 दिसंबर को हुआ था। वहीं, स्कीइंग की गवर्निंग बॉडी, एफआईएस ने कहा कि महिला विजेताओं को पुरुषों की तरह इनामी राशि नहीं मिलती है। उन्हें इनाम नहीं, उपहार दिए गए थे। यह एक अच्छा इरादा था। इसे इनाम मानना गलतफहमी पैदा कर सकता है। एफआईएस ने यह भी कहा कि महिलाओं की स्की जंपिंग नया खेल है।

सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला में 'एक शाम गो माता के नाम' कार्यक्रम हुआ। कन्या पूजन के बाद कथा वाचक सन्त मुरलीधर, सन्त कमलेश व संत अमरनाथ ने प्रवचन दिए। अन्य वक्ताओं ने गो सेवा करने तथा सनातन धर्म, संस्कृति के उत्थान पर बल दिया। इसके बाद संत प्रकाश दास ने भजनों की प्रस्तुति दी।

धर्म . समाज . संस्था

सूर्यास्त: 6.37
सूर्योदय: 6.35

गोपालक सम्मेलन 26 से • गोधन व गो उत्पादन को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए चलाया अभियान

सम्मेलन में 3 राज्यों के राज्यपाल आएंगे, गोशालाओं को स्वावलंबी बनाने पर होगी चर्चा

जैविक कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

गो उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा

हिंगोनिया गोशाला में बांस प्रशिक्षण केंद्र

ईको फ्रेंडली क्लब हाउस की शुरुआत

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया पौधरोपण

जयपुर @ पत्रिका. उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हिंगोनिया स्थित गोशाला में गो सेवा की। साथ ही मंदिर में भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधारोपण के साथ ही ईको फ्रेंडली क्लब हाउस की भी शुरुआत की। साथ ही उन्होंने चार टन क्षमता वाली चारा मिश्रण मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही प्राकृतिक आवासीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बांस से बने प्राकृतिक आवासों का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हिंगोनिया गो पुनर्वास केंद्र में 15,000 से अधिक गोवंश है। यह केंद्र लंबे समय से गोसेवा और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बांस प्रशिक्षण केंद्र लोगों को प्रकृति के करीब लाने का काम करेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राजस्थान के विकास में नए आयाम जोड़ेगी। साथ ही लोगों के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

◯ एल-नीनो प्रभाव

प्रशांत महासागर में गर्म जलधाराओं का प्रभाव (El Niño) इस वर्ष अधिक सक्रिय है, जिससे वैश्विक तापमान में अतिरिक्त वृद्धि हो रही है।

2025 का गर्म मौसम

यह संकेत दे रहा है कि अब पर्यावरण की रक्षा केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन चुकी है।

गर्मी और लू (Heat Wave) के मौसम में गौशालाओं में गोवंशों की देखभाल अत्यंत आवश्यक होती है। लू से पशु भी उतने ही प्रभावित होते हैं जितना मनुष्य, और अगर सही सावधानी न बरती जाए तो इससे बीमारियाँ, दूध उत्पादन में गिरावट, यहां तक कि मृत्यु तक हो सकती है।

फैक्ट फाइल:
वैज्ञानिक अनुमानों और वैश्विक तापमान के शुरुआती आँकड़ों के अनुसार, 2025 अब तक का सबसे गर्म वर्ष साबित हो सकता है।

इसके प्रमुख कारण क्या हैं?
- मानवजनित जलवायु परिवर्तन
- एल-नीनो प्रभाव
- वनों की कटाई और शहरीकरण
- बर्फबारी और ग्लेशियरों का पिघलना

क्या होगा असर?
- अत्यधिक लू (Heat Waves) और गर्मी से संबंधित बीमारियाँ बढ़ेंगी
- जल संकट गहराएगा
- खेती और पशुपालन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा
- बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच सकती है

क्या कर सकते हैं हम?
- पेड़ लगाएं, पानी बचाएं
- गैर-ज़रूरी गाड़ियों का उपयोग कम करें
- सोलर एनर्जी और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाएं
- गर्मी में पशुओं और पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें

गौशालाओं में गोवंश को लू से बचाने के विस्तृत उपाय :

1. छायादार और हवादार शेड की व्यवस्था:
- गोवंश को तेज़ धूप से बचाने के लिए शेड को ऊँचा, हवादार और छायादार रखें।
- शेड की छत पर ग्रीन नेट, थर्मल इंसुलेशन शीट या पुआल की छाया डालें।
- शेड के आसपास पेड़-पौधों का रोपण करें जिससे प्राकृतिक छाया मिल सके।

2. ठंडा और स्वच्छ पानी:
- पीने के पानी की लगातार उपलब्धता बनी रहे। गर्मियों में पानी जल्दी गर्म हो जाता है, इसलिए टंकी को छाया में रखें।
- पानी में कभी-कभी ORS (इलेक्ट्रोलाइट्स) मिलाने से लू से राहत मिलती है।
- बार-बार पानी बदलें ताकि उसमें बैक्टीरिया न पनपे।

3. नहलाना और पानी का छिड़काव:
- दिन में कम से कम 2 बार पानी से नहलाएं या फॉगर्स से हल्का पानी छिड़काव करें।
- छाती, गर्दन और पैरों पर ठंडे पानी का स्प्रे विशेष रूप से कारगर होता है।

4. हल्का व पचने योग्य आहार:
- हरा चारा, खली, चोकर, मिनरल मिक्सचर आदि संतुलित मात्रा में दें।
- दाना देते समय ध्यान रखें कि वह कठिन या गर्म तासीर वाला न हो।
- दिन के ठंडे समय (सुबह या शाम) में चारा दें।

5. कूलर / फैन / फॉगिंग सिस्टम का प्रयोग:
जहां संभव हो, वहां इंडस्ट्रियल फैन, पंखे, या पानी के फॉगिंग स्प्रे सिस्टम का उपयोग करें। खासकर दोपहर के समय जब तापमान चरम पर होता है।

6. लू के लक्षणों की पहचान करें (गायों की बॉडी लैंग्वेज):
तेज़ साँसें, कमज़ोरी, कम खाना, लार बहना, गिर पड़ना – ये सभी हीट स्ट्रेस के लक्षण हैं। ऐसे में तुरंत ठंडे स्थान पर लाएं और वेटरनरी डॉक्टर से संपर्क करें।

7. नमक चाट और मिनरल मिक्सचर:
गर्मी में खनिज लवणों की कमी जल्दी होती है। इसलिए गौशाला में नमक चाट या मिनरल ब्लॉक्स उपलब्ध कराएं।

8. लू के समय दोपहर में बाहर न निकालें:
गोवंश को चराने या चिकित्सा हेतु बाहर तभी ले जाएं जब धूप कम हो।

9. आपातकालीन दवाएं:
(जैसे ORS, विटामिन C, ग्लूकोन D आदि) स्टॉक में रखें।

10. गौवंश के शरीर पर गोबर का लेप:
ग्रामीण क्षेत्रों में लू से बचाव हेतु किया जाता है, यह देसी उपाय भी कारगर माना जाता है।

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

गौशाला प्रबंधन हेतु

गौशाला प्रबंधन हेतु - लघु सुझाव सूची (To-do Checklist)

कार्य	आवृत्ति	ज़िम्मेदार व्यक्ति
पानी की टंकी की सफाई	सप्ताह में 2 बार	गौसेवक
फर्श पर पानी का छिड़काव	दिन में 2-3 बार	गौसेवक
फॉगिंग सिस्टम चालू	11 AM एवं 4 PM	तकनीकी सहायक
पशुओं को नहलाना	सुबह व शाम	गौसेवक
लक्षणों की निगरानी	प्रतिदिन	पशु चिकित्सा सहायक
ताज़े पानी की व्यवस्था	प्रतिदिन	गौसेवक
छाया की जांच	प्रतिदिन	गौसेवक
सभी कर्मचारियों की ब्रीफिंग	गर्म दिनों में विशेष रूप से	प्रबंधन प्रभारी
सेंधा नमक की उपलब्धता	हर सुबह	आहार प्रभारी

विशेष सुझाव:

- शेड के ऊपर गीली बोरी डालना भी अतिरिक्त ठंडक के लिए अच्छा उपाय है।
- यदि संभव हो तो हीटवेव रेड अलर्ट के दिनों में अतिरिक्त निगरानी गौसेवक तैनात करें।
- गौशालाओं में एक विशेष क्षेत्र को "गर्मी राहत केंद्र" की तरह विकसित करें जहां लगातार पानी, छाया, और स्प्रे सिस्टम हो।
- विशेष रूप से बीमार, बूढ़ी गायों की निगरानी की जाए।

गोवंश में हीट स्ट्रेस के प्रमुख लक्षण:

- हांफना / तेजी से साँस लेना
- अत्यधिक लार टपकना
- शरीर का तापमान बढ़ जाना (बुखार)
- खाना-पीना कम कर देना

तत्काल कदम:

- गाय को ठंडे छायादार स्थान पर ले जाएं।
- ठंडे पानी से शरीर पर छिड़काव करें।
- ORS या इलेक्ट्रोलाइट मिलाकर पानी दें।
- पशु चिकित्सक को तुरंत बुलाएं।

हिंगोनिया गौशाला सोशल मीडिया पर

मुख्य आकर्षण का केंद्र:

Insta | Facebook | Youtube

अगर आप हिंगोनिया गौशाला या गौसेवा, गौसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े वीडियो, फोटो, या अन्य सामग्री को सोशल मीडिया पर शेयर करना चाहते हैं, तो हम आपका स्वागत करते हैं!

आप हमें यहाँ टैग कर सकते हैं या मैसेज भेज सकते हैं:

आइए, मिलकर गौसंरक्षण और गौसेवा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ!

गौसेवा गतिविधियाँ –
गायों को चारा खिलाना, चिकित्सा सेवा, गौशाला दौरा आदि।

पर्यावरण अनुकूल पहल –
गोबर से बने उत्पाद, जैविक खेती, वृक्षारोपण।

गौशाला से जुड़ी कहानियाँ –
श्रद्धालुओं, दानदाताओं और सेवकों के अनुभव।

गौ आधारित उत्पादों का प्रचार –
पंचगव्य, जैविक खाद, गोमूत्र अर्क आदि।

गौसंरक्षण से जुड़ी कोई नई जानकारी –
रिसर्च, रिपोर्ट, इंटरव्यू आदि।

/Hingonia Cow Rehabilation Center

/Hingonia_ Goshala

/Hingonia Cow Rehabilation Center

/Hingonia Map Location

गौशाला कर्मचारी का जीवन अनुभव एवं गौमाता के प्रति आभार

संक्षिप्त परिचय :

नाम : गायत्री देवी w/o बनवारी
आयु : 30 वर्ष
निवासी : जिला - बरन
विभाग : बाड़ा न. 6
पद : गौ सेवक (गायों का प्रबंधन)
सम्पूर्ण कार्य अनुभव : 5 वर्ष
गौशाला में काम करने की अवधि : 3 वर्ष

गौसेवक, गायत्री देवी

उद्देश्य एवं गौ सेवा का अनुभव :

मैं पिछले तीन वर्षों से हिंगोनिया गोशाला में गौ सेवक के पद पर कार्यरत हूँ। मेरा प्रमुख कर्तव्य गौमाताओं की सेवा और देखभाल करना है। मेरी दैनिक ज़िम्मेदारियों में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

बाड़ों की सफाई: प्रत्येक बाड़े की नियमित सफाई करना, जिससे गौशाला का वातावरण स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक बना रहे। गोबर और अन्य अपशिष्टों को निर्धारित स्थान पर एकत्रित करना तथा सफाई के बाद कीटनाशकों का छिड़काव करना।

गौमाताओं की देखभाल: गौमाताओं की शारीरिक स्थिति पर ध्यान देना, यदि कोई गाय बीमार दिखाई दे तो उसकी सूचना पशु चिकित्सा स्टाफ को देना। गायों को आरामदायक वातावरण उपलब्ध करवाना। गर्भवती गायों की विशेष देखभाल करना। बछड़े के जन्म के बाद गाय और बछड़े की देखभाल सुनिश्चित करना।

चारा-पानी की व्यवस्था: सभी गौमाताओं को समय पर पौष्टिक चारा उपलब्ध कराना। हरा चारा, सूखा भूसा, दाना आदि उचित मात्रा में देना। साथ ही, पीने के पानी की साफ-सफाई और उपलब्धता सुनिश्चित करना।

संवेदनशीलता और सेवा भावना: गौमाताओं के प्रति सेवा-भाव और संवेदनशीलता बनाए रखते हुए कार्य करना। बीमार, घायल या बूढ़ी गायों के साथ विशेष सहानुभूति और देखभाल बरतना। गायों के साथ शांतिपूर्वक और प्यार से व्यवहार करना।

टीम सहयोग: अन्य गौ सेवकों के साथ मिलकर कार्य करना, सामूहिक प्रयासों से गोशाला को स्वच्छ, सुरक्षित और सुचारू रूप से संचालित रखना।

गौ माता के प्रति आभार :

गौ माता न केवल हमें दूध, घी, और दही जैसी पोषक वस्तुएं देती हैं, बल्कि उनका गोबर और मूत्र का उपयोग जैविक खेती में प्राकृतिक उर्वरक के रूप में होता है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ाने में सहायक है। वे हमारे जीवन में समृद्धि, खुशहाली, और आध्यात्मिक शांति का संचार करती हैं। उनकी सेवा से हम अपनी संस्कृति और धार्मिक मूल्यों से जुड़ते हैं और यह हमें सद्गति की ओर अग्रसर करता है। गौ माता का आशीर्वाद हमारी सशक्तता और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण होता है। उनका योगदान न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक और आत्मिक रूप से भी अनमोल है। गौ सेवा कृष्ण सेवा के तुल्य है!

क्र.	सेवा विवरण	₹
1	हरा चारा ट्रॉली	5,100
2	1 TMR चारा (सूखा+हरा+बाँट)	7,500
3	1 गाय की 1 वर्ष की सेवा	12,000
4	गौदान	21,000
5	हरे चारे का ट्रक	51,000
6	सूखे चारे का ट्रक	1,08,000

*हरा चारा (2.5₹/Kg)

PAY ONLINE

ACCOUNT DETAILS:

A/C Name: Sri Krishna Balram Seva Trust
A/C Number: 2281221641901461
IFSC Code: AUBL0002216

Branch Name:
AU Small Finance Bank, Pratap Nagar, Jaipur

आपके विज्ञापन के लिए संपर्क करें!

PLACE YOUR ADVERTISEMENT

in our Monthly Magazine

आपके ब्रांड, सेवा या उत्पाद के प्रचार के लिए हमारी मैगज़ीन में पेज बुक करिए, और गोसेवा में भागीदार बनिए।

- आपके द्वारा दिया गया प्रत्येक रुपया गोमाता की सेवा में समर्पित होगा
- अधिकतम दर्शकों तक पहुँच
- एरिया 8x11 inches
- 24x7 दृश्यता
- किफायती दरें

संपर्क करें:

हिंगोनिया गौशाला, जयपुर

+91 7665726333

इस पुण्य कार्य से, आज ही जुड़ें!

GO TO INDEX

to Donate, please visit

www.hingonia.org

Contact | +91 9257020721

GO TO INDEX